दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काज़ी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-१ ला अंक-२८१ वा रविवार ११ मे २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रुपये पन्ने - ४

भारत-पाक युद्धविराम पर ऐतिहासिक समझौता: अमेरिकी, सऊदी और तुर्की मध्यस्थता में अनिश्चितकालीन शांति संधि

कश्मीर हमले के बाद बढ़ते तनाव पर विराम, भारत और पाकिस्तान के सैन्य प्रमुखों के बीच सीधी बातचीत, १२ मई को अगली बैठक तैए।

दिल्ली (संवाददाता)
१० मई २०२५ को भारत और पाकिस्तान ने एक मुक्कमल युद्धविराम पर सहमति जताई, जो हालिया वर्षों की सबसे गंभीर सैन्य टकराव के बाद सामने आया है। इस समझौते का ऐलान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किया, जबकि इसमें सऊदी अरब और तुर्की ने भी अहम मध्यस्थता निभाई। कश्मीर के पहलगाम में २२ अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में २६ भारतीय पर्यटकों की मृत्यु के बाद भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर सिंदूर के तहत एयर स्ट्राइक कीद्द जवाब में पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन बनीयान मर्सूस' के तहत हमला किया। दोनों ओर से सीमावर्ती क्षेत्रों में मिसाइल, ड्रोन और तोपखाने का इस्तेमाल हुआ।

अब अमेरिका की पहल पर दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच सीधी बातचीत से युद्धविराम पर सहमति बनी। यह समझौता अनिश्चितकालीन है, हालांकि १२ मई को दोनों देशों के शीर्ष सैन्य अधिकारियों की अगली बैठक में वर्तमान स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

भारत सरकार ने इस कदम को रणनीतिक संतुलन का हिस्सा बताया, लेकिन विपक्ष ने अमेरिकी राष्ट्रपति के माध्यम से युद्धविराम की घोषणा

पर संप्रभुता को लेकर आपत्ति जताई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, देश की विदेश नीति क्या अब वॉशिंगटन से तय होगी? वहीं उमर अब्दुल्ला और अन्य नेताओं ने जमीनी स्तर पर जारी हिंसा पर चिंता जताई।

पाकिस्तानी विदेश मंत्री इसहाक डार ने कहा कि यह युद्धविराम पाकिस्तान की शांति की नीति का प्रमाण है। साथ ही उन्होंने सऊदी अरब और तुर्की की भूमिका की प्रशंसा की।

इस समझौते को लेकर जनता, राजनैतिक विश्लेषकों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की निगाहें अब १२ मई की बैठक पर टिकी हैं, जो इस युद्धविराम की स्थायित्व की पहली असली परीक्षा होगी।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री का बयान: पाकिस्तान युद्धविराम का उल्लंघन कर रहा है, भारतीय सेना दे रही जवाब

सीमा अतिक्रमण को बताया अत्यंत निंदनीय, सेना को दिए गए सख्त कार्रवाई के निर्देश

नई दिल्ली, १० मई (प्रतिनिधि): भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम समझौते के कुछ ही घंटों के भीतर पाकिस्तान की ओर से गंभीर उल्लंघन किए जाने की बात सामने आई है। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने शनिवार शाम एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा कि पाकिस्तान द्वारा किया गया सीमा अतिक्रमण अत्यंत निंदनीय है और उसकी पूरी जिम्मेदारी पाकिस्तान पर ही है।

विक्रम मिस्री ने बताया, भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ (ऊक्ष्ल्वज) के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने पर जो समझौता आज शाम हुआ था, उसका पाकिस्तान की ओर से कुछ ही घंटों में घोर उल्लंघन हुआ है। भारतीय सेना जवाबी कार्रवाई कर रही है और इस अतिक्रमण से निपट रही है।

उन्होंने कहा कि सेना को स्थिति पर कड़ी नजर रखने और किसी भी अतिक्रमण का ठोस व सख्त जवाब देने के निर्देश दे दिए गए हैं। विदेश सचिव ने पाकिस्तान से अपील करते हुए कहा कि वह हालात की गंभीरता को समझे और तुरंत उचित कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण को रोके। इस घटनाक्रम के बाद युद्धविराम की पायेदारी और भविष्य पर नए सिरे से सवाल खड़े हो गए हैं। सेना और कूटनीतिक हलकों में इसे गंभीर चिंता का विषय माना जा रहा है।

मेरी परदादी ने रानी लक्ष्मीबाई के साथ युद्ध लड़ा था-कर्नल सोफिया कुरैशी

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सेना की महिला अधिकारी की नेतृत्व क्षमता की सराहना, परिवार की क्रांतिकारी विरासत से प्रेरणा का खुलासा

नई दिल्ली, १०मई (प्रतिनिधि): भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी इन दिनों 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान अपने नेतृत्व, स्पष्टता और आत्मविश्वास के कारण देशभर में चर्चा में हैं। २२ अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की जवाबी कार्रवाई के संदर्भ में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान उन्होंने जिस शांत और दृढ़ स्वर में राष्ट्र का पक्ष रखा, उसने उन्हें राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बना दिया।

विंग कमांडर व्योमिका सिंह और विदेश सचिव विक्रम मिस्री के साथ, कर्नल कुरैशी ने रणनीतिक स्थिति की व्याख्या की और भारत के रुख़ को स्पष्टता से दुनिया के सामने रखा। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इस मंच पर पहुंचने से पहले कर्नल कुरैशी का सफर एक दीर्घकालीन सैन्य और क्रांतिकारी विरासत से जुड़ा है।

२०१७ में दिए गए एक साक्षात्कार में उन्होंने खुलासा किया था कि उनकी परदादी १८५७ की क्रांति में रानी लक्ष्मीबाई के साथ युद्ध में शामिल हुई थीं। उन्होंने कहा, मैं एक फौजी परिवार से हूं। मेरी परदादी झांसी की रानी के साथ लड़ी थीं, वो एक महिला योद्धा थीं। मेरे दादा कहते थे कि यह हर नागरिक की ज़िम्मेदारी है कि वह सजग रहे और देश के साथ खड़ा रहे।

सेना के इस बहु-पीढ़ीय परंपरा ने कर्नल कुरैशी के मूल्यों को गढ़ा। उनके अनुसार, उनकी मां ने उन्हें और उनकी जुड़वां बहन को रक्षा सेवाओं में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। कर्नल कुरैशी ने भारतीय सेना के वैज्ञानिक विंग ऊ्ठऊ्ज के ज़रिए सेना में शामिल होने का रास्ता चुना, जबकि उनकी बहन शायना संसारा एक मॉडल और निर्माता बनीं। शायना ने बताया, हम आर्मी के बच्चे हैं। उस दौर में महिलाएं आर्मी में शामिल नहीं हो सकती थीं, लेकिन हम दोनों में वही जुनून था। सोफिया कहती थी कि अगर सेना में नहीं जा सकी, तो पुलिस में जाऊंगी।

उनके परिवार का इतिहास भारत की सैन्य परंपरा का जीवंत उदाहरण है-उनके पिता ने १९७१ की बांग्लादेश युद्ध में भाग लिया था, चाचा में थे, दादा और उनके पूर्वज ब्रिटिश भारतीय सेना में सेवा दे चुके थे और बाद में आज़ादी के संघर्ष में शामिल हो गए थे। उनकी दादी उन्हें १८५७ के स्वतंत्रता संग्राम की कहानियां सुनाया करती थीं। वडोदरा (गुजरात) में १९७४ में जन्मीं कर्नल कुरैशी ने १९९७ में महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी से बायोकैमिस्ट्री में मास्टर्स की डिग्री ली। वह वर्तमान में भारतीय सेना की मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री में कार्यरत हैं और २०१६ में 'फोर्स १८' मल्टीनेशनल मिलिट्री एक्सरसाइज में भारतीय दल का नेतृत्व करने वाली पहली महिला अधिकारी बनी थीं।

'ऑपरेशन सिंदूर' की ब्रीफिंग में उनका योगदान केवल पेशेवर नहीं था-बल्कि यह उनकी पारिवारिक विरासत, राष्ट्रभक्ति और साहस की पीढ़ियों से जुड़ा एक जीवंत प्रतीक था, जो आज की पीढ़ी को प्रेरणा देता है।

पुराने विवाद को लेकर युवक की लोहे की रॉड से पिटाई

भावठाणा गांव में चार लोगों पर मामला दर्ज, एक युवक घायल

अंबाजोगाई, १० मई (प्रतिनिधि): अंबाजोगाई तहसील के भावठाणा गांव में पुराने झगड़े की रंजिश को लेकर चार लोगों ने मिलकर एक युवक की लोहे की रॉड और अन्य हथियारों से बेदम पिटाई कर दी। यह घटना ८ मई (गुरुवार) को घटित हुई। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, भावठाणा निवासी वैभव रामदास शेंडगे (उम्र २५ वर्ष) को चार लोगों ने पुराने विवाद को लेकर हमला कर घायल कर दिया। आरोपियों ने वैभव पर लोहे की रॉड सहित अन्य वस्तुओं से हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

इस घटना के संबंध में वैभव शेंडगे की शिकायत पर चेतन शामराव मगर, अनिकेत शामराव मगर, सुनील शेषेराव मगर, और महेश अरुण पवार के खिलाफ ९ मई (शुक्रवार) को अंबाजोगाई ग्रामीण पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

युद्धविराम पर ओवैसी के सरकार से चार सवाल, जवाब का इंतज़ार

सीमा पर राहत की उम्मीद जताई, लेकिन आतंक के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग दोहराई

नई दिल्ली, १० मई (प्रतिनिधि): भारत और पाकिस्तान के बीच घोषित युद्धविराम पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए 'ज' है कि जब तक पाकिस्तान अपनी ज़मीन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ आतंक फैलाने के लिए करता रहेगा, तब तक स्थायी शांति संभव नहीं है।

ओवैसी ने कहा कि चाहे युद्धविराम हो या नहीं, पहलगाम हमले के ज़िम्मेदार आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहनी चाहिए। उन्होंने भारतीय सेना और सरकार का समर्थन करते हुए कहा, मैं हमेशा बाहरी आक्रमण के ख़िलाफ़ सरकार और सेना के साथ खड़ा रहा हूं और भविष्य में भी रहूंगा।

उन्होंने युद्धविराम से सीमावर्ती इलाकों के लोगों को राहत मिलने की उम्मीद जताई, लेकिन साथ ही मोदी सरकार से चार अहम सवाल भी पूछे:

१. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बजाय किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष ने युद्धविराम की घोषणा क्यों की?

भारत १९७२ के शिमला समझौते के बाद से तीसरे पक्ष की मध्यस्थता का विरोध करता आया है, तो अब इसे क्यों स्वीकार किया गया? मुझे उम्मीद है कि कश्मीर मसले को अंतरराष्ट्रीय मुद्दा नहीं बनाया जाएगा, क्योंकि यह हमारा आंतरिक मामला है।

२. हमने तटस्थ क्षेत्र में बातचीत के लिए सहमति क्यों दी?

इन वार्ताओं का एजेंडा क्या होगा? क्या अमेरिका यह गारंटी देगा कि भविष्य में पाकिस्तान अपनी धरती से आतंकवाद नहीं फैलाएगा?

३. क्या हम पाकिस्तान को भविष्य के आतंकी हमलों से रोकने में सफल हुए हैं, या हमारा उद्देश्य सिर्फ युद्धविराम तक सीमित था?

४. क्या पाकिस्तान को ऋ-ढऋ की ग्रे लिस्ट में डालने की हमारी अंतरराष्ट्रीय मुहिम आगे भी जारी रहेगी?

ओवैसी ने अपने बयान में स्पष्ट किया कि आतंकवाद के खिलाफ़ रुख़ पर किसी तरह की नरमी नहीं होनी चाहिए, और सरकार को स्पष्ट जवाब देकर देश को भरोसे में लेना चाहिए।

तस्वीर नामा।

सौदागर।

युद्ध अमरीका,अपनी भुमि पर कभी लड़ा नहीं।
हिंद के पक्ष में साफ कभी खड़ा नहीं।
पर न भूल ऐ हथयारौं के सौदागर।
देश हमारा किसी से कभी डरा नहीं।

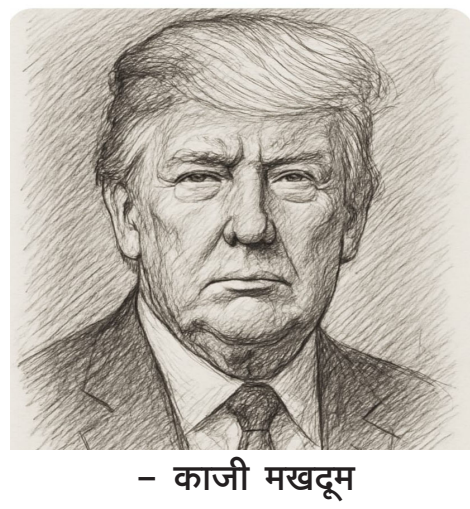

- काजी मखदूम
९२७०५७४४४

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

सय्यद इरफान ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ राष्ट्रवादी शरद पवार पार्टी में प्रवेश किया

आ.संदीप क्षीरसागर को भारी मतों से फिर से विजयी बनाने का लिया संकल्प

बीड (प्रतिनिधि): शहर के शहंशाह नगर क्षेत्र निवासी सय्यद इरफान ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ आमदार संदीप क्षीरसागर को समर्थन देते हुए राष्ट्रवादी शरद पवार पार्टी में औपचारिक रूप से प्रवेश किया। इस अवसर पर उन्होंने घोषणा की कि इस बार भी बीड विधानसभा क्षेत्र से संदीप क्षीरसागर को भारी बहुमत से दोबारा विधायक चुना जाएगा।

इस कार्यक्रम में पूर्व विधायक एवं मेफ्को के पूर्व अध्यक्ष सय्यद सलीम, राष्ट्रवादी पार्टी के विभिन्न पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सय्यद इरफान ने अपने संबोधन में कहा, आमदार संदीप क्षीरसागर आम लोगों से, विशेषकर गरीब और पिछड़े तबकों के युवाओं से मित्रवत और आत्मीयता से मिलते हैं, उनका हालचाल पूछते हैं और वरिष्ठों का आदर करते हैं। विधायक बनने के बाद उन्होंने पक्ष-विपक्ष का भेद किए बिना सभी का काम किया है। इसी वजह से हमने संदीप भैय्या के नेतृत्व में राष्ट्रवादी शरद पवार पार्टी में प्रवेश किया है।

उन्होंने आगे कहा, इस चुनाव में हम कंधे से कंधा मिलाकर संदीप भैय्या के लिए प्रचार करेंगे और उन्हें भारी मतों से विजयी बनाएंगे। इसके लिए हम तन, मन और धन से पूरी ताक़त के साथ काम करेंगे। इस अवसर पर सय्यद तौफिक, शेख माजेद, मुसेब बागवान, रिजवान बागवान, हामेद चाऊस, शेख रईस, सचिन गायकवाड, रेहान बागवान, शेख साहिल, रमेश राऊत, मुबीन पठान, सोहेल पठान, इमरान पटेल, शाकिर खान, शेख सोफियान, शेख नौशाद, पठान आरिफ, शेख फैजान, राजू मोमिन, आफताब शेख, सज्जाद शेख, साहिल पठान, शेख समीर, एजाज शेख, मेहराज शेख, अल्ताफ भाई, सय्यद अकरम, मोनू पठान समेत सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने संदीप क्षीरसागर और सलीम सय्यद की उपस्थिति में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस सामूहिक प्रवेश से आगामी चुनाव में संदीप क्षीरसागर की स्थिति और अधिक मजबूत हो गई है।

मिल्लिया जूनियर कला और विज्ञान महाविद्यालय में मेधावी विद्यार्थियों का गुणगौरव समारोह आयोजित

विज्ञान शाखा का परिणाम ९९.३३%, कला शाखा ९०.१०% और वाणिज्य शाखा ८६.५३% रहा; प्रमुख अतिथियों ने दी शुभकामनाएं

बीड, १० मई (काजी नासेर): महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद, पुणे द्वारा आयोजित उच्च माध्यमिक प्रमाणपत्र परीक्षा (क्ह्उ) फरवरी २०२५ के परिणामों के उपलक्ष्य में मिल्लिया जूनियर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, बीड में मेधावी विद्यार्थियों के सत्कार हेतु एक विशेष गुणगौरव समारोह का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में संस्थान की सचिव श्रीमती खान सबीहा प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बीड जिले के प्रसिद्ध न्यूरोसर्जन डॉ. शेख समीर और जिला रुग्णालय बीड के बालरोग विशेषज्ञ डॉ. इलियास खान उपस्थित थे। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. चाऊस फैसल हमद, उप-प्राचार्य मुजाहिद अली, तथा सभी शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मचारी भी समारोह में सम्मिलित हुए।

इस वर्ष विज्ञान शाखा का परिणाम ९९.३३%, कला शाखा का ९०.१०% और वाणिज्य शाखा का परिणाम ८६.५३% रहा। इस उपलब्धि पर सभी सफल विद्यार्थियों और उनके साथ आए पालकों का अभिनंदन किया गया।

मुख्य अतिथियों ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियाँ विद्यार्थियों के परिश्रम और शिक्षक-पालकों के सहयोग का प्रतिफल होती हैं।

तापी मेगा रिचार्ज परियोजना पर महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के बीच ऐतिहासिक करार

विदर्भ और उत्तर महाराष्ट्र के खार भूमि क्षेत्र को मिलेगा ५.७८ लाख एकड़ सिंचाई लाभ-देवेंद्र फडणवीस

रिपोर्ट: जमीर काज़ी । मुंबई

महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश सरकारों के बीच आज तापी मेगा रिचार्ज परियोजना को लेकर एक ऐतिहासिक अंतरराज्यीय करार पर हस्ताक्षर किए गए। लगभग १९,२४४ करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना से विदर्भ और उत्तर महाराष्ट्र के खारभूमि पट्टों को बड़ा लाभ मिलेगा। इस आशय की जानकारी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज भोपाल में आयोजित बैठक के बाद पत्रकारों को दी।

भोपाल में आयोजित अंतरराज्यीय जल संसाधन नियंत्रण बोर्ड की बैठक में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, दोनों राज्यों के जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन, तुलसीराम सिलावट और कुंवर विजय शाह, तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के उपरांत पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री फडणवीस ने इसे इतिहास रचने वाला दिन बताया।

उन्होंने कहा कि तापी मेगा रिचार्ज परियोजना की कल्पना पूर्व में ही की गई थी, लेकिन अब दोनों राज्यों ने इसकी मंजूरी देकर करार पर हस्ताक्षर किए हैं। पिछली बैठक वर्ष २००० में हुई थी, और अब २०२५ में इस योजना को मूर्त रूप दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के आने के बाद अंतरराज्यीय जल समझौतों को गति मिली और २०१६ से इस परियोजना पर ठोस प्रयास शुरू हुए।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि यह परियोजना दुनिया की एक अनोखी योजना है। इसके तहत महाराष्ट्र को २,३४,७०६ हेक्टेयर (करीब ५.७८ लाख एकड़) और मध्यप्रदेश को १,२३,०८२ हेक्टेयर भूमि को सिंचाई लाभ मिलेगा। महाराष्ट्र के जळगांव, अकोला, अमरावती और बुलढाणा जैसे सूखा प्रभावित और खार जमीन वाले इलाकों में इस योजना से पेयजल और कृषि सिंचाई की समस्याओं का समाधान होगा। इससे किसानों के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन आएगा और अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी।

मुख्यमंत्रियों ने यह भी मांग की कि इस योजना को केंद्रीय परियोजना के रूप में स्वीकार किया जाए, जिसके लिए वे संयुक्त रूप से केंद्र सरकार से अनुरोध करेंगे।

तापी मेगा रिचार्ज परियोजना: एक झलक

धरण (बांध) का स्थान: खरिया गुटी घाट, मध्यप्रदेश

कुल सिंचाई लाभ: ३,५७,७८८ हेक्टेयर

महाराष्ट्र को लाभ: २,३४,७०६ हेक्टेयर (जळगांव, अकोला, अमरावती, बुलढाणा)

मध्यप्रदेश को लाभ: १,२३,०८२ हेक्टेयर (बुरहानपुर, खंडवा)

कुल जल उपयोग: ३१.१३ टीएमसी

महाराष्ट्र: १९.३७ टीएमसी

मध्यप्रदेश: ११.७६ टीएमसी

परियोजना लागत: १९,२४४ करोड़ (२०२२-२३ की अनुमानित लागत)

बीड ज़िले में राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से ६९० मामलों का हुआ निपटारा

१० मई को हुई सुनवाई में कुल ५ करोड़ ८४ लाख रुपये की राशि के विवाद सुलझाए गए

बीड, १० मई (जिमाका): महाराष्ट्र राज्य विधि सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा प्रमुख जिला एवं सत्र न्यायाधीश व जिला विधि सेवा प्राधिकरण बीड के अध्यक्ष आनंद एल. यावलकर के मार्गदर्शन में आज दिनांक १० मई २०२५ को बीड ज़िले में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल ६९० मामलों का आपसी समझौते के आधार पर निपटारा किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीड ज़िले से न्यायालयों में लंबित कुल १०,३०६ प्रकरणों को लोक अदालत में प्रस्तुत किया गया था, जिनमें दीवानी, फौजदारी, मोटर दुर्घटना, भूमि अधिग्रहण, और धारा १३८ (एन.आई. एक्ट) से संबंधित मामले सम्मिलित थे। इनमें से ३८९ मामले अदालत द्वारा निपटाए गए।

इसके अलावा, दाखिल-पूर्व मामलों की श्रेणी में कुल १४,८५८ प्रकरणों को सम्मिलित किया गया था, जिनमें से ३०१ मामलों का निपटारा सफलतापूर्वक किया गया। इस प्रकार कुल मिलाकर ६९० मामलों का समाधान लोक अदालत के माध्यम से किया गया, जिसमें ५ करोड़ ८४ लाख ७३ हजार १५८ रुपये की धनराशि से संबंधित विवादों का निपटारा हुआ।

इस लोक अदालत के अवसर पर श्री जी. जी. सोनी (सदस्य सचिव, जिला विधि सेवा प्राधिकरण बीड), श्रीमती एस. आर. पाटिल (जिला न्यायाधीश-१), श्रीमती एस. आर. शिंदे (जिला न्यायाधीश), के. आर. जोगळेकर (जिला न्यायाधीश-४), बीड ज़िला वकील संघ के अध्यक्ष आर. डी. येवले, सभी पदाधिकारीगण, ज़िला सरकारी वकील एवं सभी सरकारी अभियोक्ता उपस्थित रहे।

न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों, बैंक एवं पुलिस कर्मियों, और अन्य प्रशासनिक विभागों के अधिकारियों ने लोक अदालत को सफल बनाने हेतु महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

देश में स्थगित हुई सीए की परीक्षा, अब १६ मई से शुरू होंगे एग्जाम

दिल्लीः संवादाता

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। सीजफायर लागू होने के बाद भी पाकिस्तान ने उसका उल्लंघन किया है। ऐसे में देश के अंदर से स्थिति फिर से खराब होती दिख रही है। ऐसे में इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ने सीए फाइनल, इंटर और आईएनटीटी-एटी (पीक्यूसी) परीक्षाओं, मई २०२५ के शेड्यूल में बदलाव कर दिया है। ICAI ने इन परीक्षाओं को स्थगित करने की घोषणा की है। यह फैसला शनिवार को देश की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया।

सीए फाइनल, इंटर और आईएनटीटी-एटी (पीक्यूसी) परीक्षा का नया शेड्यूल भी जारी किया गया है। ICAI की अधिसूचना के मुताबिक, देश में अब जून २०२५ सेशन की परीक्षा १६ मई से शुरू होंगी जो कि २४ मई तक चलेंगी। पहले यह एग्जाम १० मई से शुरू होने थे। सोशल मीडिया के जरिए यह जानकारी देते हुए खउ-ख ने कहा है कि देश में तनावपूर्ण हालात के बीच सिक्योरिटी को ध्यान में रखते हुए सीए फाइनल और इंटर की परीक्षा को स्थगित कर दिया है।

ICAI ने यह भी बताया है कि परीक्षा का सिर्फ शेड्यूल बदला गया है। कैंडिडेट्स के लिए राहत भरी बात यह है कि एग्जाम सेंटर में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसका मतलब है कि पहले से जो एडमिट कार्ड जारी किए गए थे वहीं चलेंगे बस एग्जाम की डेट में बदलाव हुआ है। यह परीक्षा दो शिफ्ट में पुराने टाइम (दोपहर २ से ६ और दोपहर ही २ से ५) पर ही आयोजित होगी।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com